फरीद

❑ अनुराधा

यह सही है कि एक अच्छा शिक्षक सभी बच्चों से समान बर्ताव करता है । लेकिन कोई बच्चा ऐसा होता है जो अपनी कारगुजारियों या विशेषताओं के कारण शिक्षक का अलग से ध्यान आकर्षित करता है । ऐसे ही एक बच्चे का शब्द-चित्र यहां प्रस्तुत किया जा रहा है । आगे अभी इस तरह के और शब्द-चित्र छापने की योजना है ।

दिगन्तर एक स्वयंसेवी संस्था है जोबच्चों के साथा शिक्षा के क्षेत्र में काम करही है और जयपुर शहर से लगभग 15 कि.मी. दूर ढाणियों में अपनी 3 शालायें चला रही हैं। उन्हीं तीन शालाओं में से एक शाला बंध्याली में एक समूह है तारा।

मैं तारा समूह को लगभग पिछले तीन वर्ष से पढ़ा रही हूं । तारा समूह में ही एक छोटे से कद का, सांवला सा, उम्र लगभग 8-9 वर्ष का फरीद नाम का एक बालक है। फरीद पास की ढाणी से ही अपने बड़े भाई के साथ पढ़ने आता है तथा पिछले 4 साल से बंध्याली शाला में पढ़ रहा है। यह बालक कुछ भुल्लकड़ प्रवृत्ति का है। कई बार तो इस बालक के साथ कार्य करना मुझे समस्या लगता है। आरंभ में जब इस बालक ने दिगन्तर की पहली पोथी (पुस्तक) पर कार्य करना शुरू किया था तो यह बालक एक-एक पेज को सुनाने में चार-चार दिन लगा देता था। छोटे-छोटे शब्द तो फिर भी याद रख लेता था लेकिन वाक्यों को पढ़ने में तो काफी समस्या आती थी क्योंकि वाक्य का एक शब्द याद रखता तो दूसरा भूल जाता था। इसके लिए मैंने अपने साथी शिक्षकों से सुझाव लिये और उन पर अमल किया जिससे उस बालक की वाक्य पढ़ने की समस्या पर थोड़ा नियंत्रण हो पाया लेकिन अभी भी कभी-कभी इस बालक को वाक्यों में समस्या आ जाती है।

इसके बाद बालक के साथ आ की मात्रा में काफी समस्या आई क्योंकि अनेक बार बताने पर भी यह बालक का को क, खा को ख रा को र ही बोलता था जिससे मैं काफी परेशान हुई। फिर मैंने उसको मात्रा दूसरी तरह समझाने का प्रयास किया। वह बालक आ की मात्रा का चिन्ह (ा) तो पहचानने लगा था अत: मेंने उस बालक कसे ककहा कि जिस अक्षर के सार्ा यह निशान लग जाता है उसे पूरा मुंह खोलकर बोलते हैं, फिर मैंने उस बालक को बोलकर भी बताया मुझे नहीं मालूम कि मेरा यह प्रयास सही था या गलत लेकिन इस

प्रयास से फायदा यह हुआ कि वह बालक बिना किसी समस्या के आ की मात्रा वाले शब्द पढ़ने लगा।

गणित में तो यह बालक गिनती बहुत ही ज्यादा भूलता है। कई बार तो केवल 8-9 तक ही गिनती सुनाता है लेकिन कई बार बिना किसी समसय के 30-35 तक गिनती सुना देता है। जोड़ व घटा के सवाल भी कई बार उल्टे कर देता है जबकि जोड़ व घटा के चिन्हों को अच्छी तरह पहचानता है।

यह बालक कल्पनाशील भी है। समूह में अधिकतर स्वयं बनाकर कविता सुनाता है। कविता बनाते समय अपने दोस्तों की बातों को ही कविता के माध्यम से कहता है। एक दिन हमारी शाला के दो तीन बच्चों ने आपस में एक दूसरे को गालियां दीं, जिसके बारे में अन्य बच्चों ने शिक्षकों को बताया तथा दूसरे दिन गाली देने वाले बच्चों से सभा में बातचीत की गई।

जिस दिन उन बच्चों से सभा में बात की गई, उसी दिन तारा समूह क्में कविता सुनानेकी योजना थी। फरीद ने गाली वाली बात को ही कविता के माध्यम से कहा । कविता कुछ इस प्रकार थी :

तुम रास्ते में लड़ते क्यों जाते हो
सीधे रास्ते जाओ सीधे रास्ते आओ
गाली देनी नहीं चाहिये
ये तुऊहारे चिपकती नहीं है
ये तुम्हारी बहन, तुम्हारी मां को लगती है

इसी प्रकार इस बालक ने समूह में एक बार अन्य कविता बना सुनाई जो इस प्रकार थी:

ऐ बच्चों तुम्हें क्या हुआ
यदि तुम्हें जंगल में भालू मिल जाये
तुम भी डर जाओगे, अपनी जान बचाओगे
तुम ऐसे क्यों हंसते हो
शान्ति से सुन लो बच्चों
तुम भी जब कुछ गाओगे
तुम्हें देखकर भी हसेंगे

लेकिन यह बालक अपनी बनाई हुई कविताएं भी सिर्फ एक या दो बार ही सुना पाता है बाद में भूल जाता है।

यह बालक काफी संवेदनशील है। अपनी दोस्ती के प्रति काफ भावुक रहता है। हालांकि वैसे तो यह बालक अपने में ही अधिक मस्त रहता है लेकिन इस बालक की दोस्ती तारा समूह के ही अनीफ नाम के बालक से अधिक है। अनीफ यदि फरीद से किसी कारण नाराज हो जाता है तो फरीद बहुत ही उदास हो जाता है।

यह बालक इन चार सालों में अधिक प्रगति नहीं कर पाया। इसका एक कारण तो यह भुल्लकड़ प्रवृत्ति का रहा है लेकिन अन्य कारण मैं खोज नहीं पाई हूं । ◆

बच्चों के परिवार

''बच्चों को अच्छी तरह से जानने के लिए उनके परिवार-माता-पिता, भाइयों, बहनों, दादा-दादी, नाना-नानी को जानना चाहिये'' वसीली सुखोम्लीन्स्की शिक्षकों को सलाह देते हैं । 'बाल-हृदय की गहराइयां' में उन्होंने अनेक बच्चों की पारिवारिक पृष्ठभूमि का संक्षिप्त-विवरण दिया है ।

दो उदाहरण :

लीदा बड़े अच्छे परिवार से आयी है । उसके पिता रेल के डिब्बे बनाने के कारखाने में मजदूर हैं । गाने-बजाने का उन्हें शौक है । वह बच्चों को वायलिन बजाना और गाना सिखाते हैं । उनके बगीचे में आस-पड़ौस के बीसेक बच्चे इकट्ठे हो जाते हैं । वे संगीत सुनते हैं, लोक-गीत सीखते हैं ।

पावेल के परिवार में मित्रता का वातावरण है । उसकी मां चार साल तक बीमारी की वजह से खाट पर पड़ी रही । पिता ने पूरी तरह मां का भी कर्तव्य निभाया । वह काम पर तो जाते ही थे और घर-गृहस्थी भी चलाते थे । ◆